भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1595

उत्तर देने की तारीख 09 फरवरी, 2026

सोमवार, 20 माघ, 1947 (शक)

स्वावलंबिनी योजना

1595. श्री डग्गुमल्ला प्रसाद राव:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वावलंबिनी योजनाओं के अंतर्गत देशभर में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) और उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के अंतर्गत नामांकित छात्राओं की कुल संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार आंध्र प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में उक्त कार्यक्रम का विस्तार करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो इसकी समयसीमा का ब्यौरा क्या है और इसमें शामिल किए जाने वाले संस्थानों की संख्या कितनी है;

(घ) स्वावलंबिनी योजना के कार्यान्वयन के लिए सीड निधि, मार्गदर्शन और पुरस्कारों के लिए निर्धारित राशि सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार आवंटित, अनुमोदित और संवितरित कुल निधि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या स्वावलंबिनी योजना के अंतर्गत सरकार और कौशल विकास संस्थानों के बीच किसी साझेदारी या समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या उक्त कार्यक्रम के परिणामों पर नज़र रखने के लिए कोई निगरानी या मूल्यांकन तंत्र मौजूद है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (च): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच के साथ ज्ञान साझेदार के रूप में सहयोग करते हुए, फरवरी 2025 में असम, मेघालय, मिजोरम, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के छह उच्च शिक्षा संस्थानों/विश्वविद्यालयों में एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में स्वावलंबिनी - एक महिला उद्यमिता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्रालय इस कार्यक्रम को अपने स्वायत्त संस्थानों, अर्थात् राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (नीस्बड), नोएडा और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी के माध्यम से कार्यान्वित कर रहा है।

स्वावलंबिनी प्रायोगिक परियोजना युवा महिलाओं को सफल उद्यम शुरू करने के विचार से लेकर सफल उद्यम निर्माण कार्यान्वयन तक की यात्रा में सहायता करने के लिए एक संरचित, बहु-स्तरीय प्रशिक्षण पद्धति प्रदान करता है। इस परियोजना का उद्देश्य महिला छात्राओं को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के लिए आवश्यक उपलब्ध सहायता तंत्रों, योजनाओं, संसाधनों और नेटवर्कों के बारे में जागरूक करके उनमें उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करना है।

स्वावलंबिनी परियोजना के लक्षित समूह में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और विश्वविद्यालयों की 1200 छात्राएं शामिल हैं, जिन्हें उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) के माध्यम से उद्यमशीलता जागरूकता से संबंधी प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेना होता है। इनमें से, ईएपी प्रतिभागियों में से चयनित 600 छात्राओं को उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) में शामिल किया जाएगा, जिसमें कौशल विकास, वित्त तक पहुंच, बाजार लिंकेज, अनुपालन और कानूनी सहायता, व्यावसायिक सेवाएं और नेटवर्किंग के अवसर जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक पहलुओं को शामिल करते हुए गहन उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तत्पश्चात, प्रतिभागियों को अपने विचारों को स्थायी उद्यमों में बदलने में मदद करने के लिए 21 सप्ताह तक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जाएगी।

एमएसडीई कार्यक्रम के क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण और निगरानी की देखरेख करेगा, जबकि नीति आयोग कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, मार्गदर्शन सहायता प्रदान करेगा, प्रारंभिक वित्तपोषण की सुविधा देगा और अवार्ड टू रिवार्ड (एटीआर) पहल के माध्यम से सफल उद्यमियों को सम्मानित करेगा।

इस मार्गदर्शन और सहायता कार्यक्रम के दौरान, उद्योग जगत के अग्रणी और सफल उद्यमी प्रतिभागियों को सलाह और व्यावहारिक सहायता प्रदान करके उनका मार्गदर्शन करेंगे। सफल उद्यमियों को अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें वे उन चुनौतियों पर प्रकाश डालेंगे जिन पर उन्होंने विजय प्राप्त की और अपने व्यवसाय को स्थापित करने के लिए अपनाई गई रणनीतियों के बारे में बताएंगे।

दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, कार्यक्रम में एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) भी शामिल है, जिसमें प्रतिभागी उच्च शिक्षा संस्थानों/विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में भाग लेना होगा। यह पहल शिक्षकों को अपने संस्थानों में महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों को सलाह और मार्गदर्शन देने के लिए आवश्यक कौशल से सुसज्जित करेगी।

इस प्रायोगिक परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षित महिला प्रतिभागियों का कार्यक्रम-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

कार्यक्रम का नाम	कुल लक्ष्य	कुल प्रशिक्षित
संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	75	75
उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी)	1200	1,110
उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी)	600	302

प्रायोगिक परियोजना के अंतर्गत दिनांक 29.01.2026 तक प्रशिक्षित महिला प्रतिभागियों की राज्य-वार और कार्यक्रम-वार संख्या का ब्यौरा निम्नलिखित है:

राज्य	**कार्यक्रम का नाम (कुल प्रशिक्षित)**		
	एफडीपी	ईएपी	**ईडीपी**
असम	9	64	*
मेघालय	8	161	*
मिजोरम	10	244	*
उत्तर प्रदेश	31	491	254
तेलंगाना	17	150	48
कुल	**75**	**1,110**	**302**

* कार्यक्रम शुरू हो चुका है और वर्तमान में कार्यान्वयनाधीन है।

एमएसडीई ने निस्बड और आईआईई को प्रशिक्षण के लिए 40,46,016 रुपये की धनराशि आवंटित की है, जिसमें से 10,11,504 रुपये एमएसडीई द्वारा कार्यान्वयन संस्थानों को जारी किए गए हैं।

वर्तमान में, स्वावलंबिनी - एक महिला उद्यमिता कार्यक्रम - को प्रायोगिक चरण में असम, मेघालय, मिजोरम, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के उच्च शिक्षा संस्थानों में शुरू किया गया है। इस समय, आंध्र प्रदेश राज्य में कार्यक्रम के विस्तार के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

इस कार्यक्रम की प्रगति और परिणामों पर नज़र रखने के लिए नीति आयोग के सहयोग से मंत्रालय स्तर पर एक व्यापक निगरानी और मूल्यांकन तंत्र स्थापित किया गया है।

*****